“किसान–वैज्ञानिक संवाद एवं कृषि इनपुट वितरण कार्यक्रम

भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई) के सहयोग से कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके), पेरन, जलुखी, नागालैंड द्वारा जलुखी स्थित महिला सामुदायिक सम्मेलन भवन में “किसान–वैज्ञानिक संवाद एवं कृषि इनपुट वितरण कार्यक्रम” का आयोजन किया गया, जिसमें किसानों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

इस कार्यक्रम में कुल 210 किसानों ने भाग लिया, जिनमें से 180 महिलाएं थीं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कर्नल मोहित कुमार बंसल रहे। अपने संबोधन में उन्होंने आईवीआरआई द्वारा किसानों को महत्वपूर्ण कृषि इनपुट उपलब्ध कराने की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के प्रयासों से किसानों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा तथा कृषि उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि होगी।

कार्यक्रम के दौरान डॉ. एच. आर. मीना, विभागाध्यक्ष (प्रसार शिक्षा), आईवीआरआई ने किसानों को वितरित कृषि इनपुट के प्रभावी एवं वैज्ञानिक उपयोग के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की। साथ ही उन्होंने पशुधन स्वास्थ्य एवं उत्पादन में आईवीआरआई की भूमिका को रेखांकित करते हुए राष्ट्रीय पशुधन स्वास्थ्य योजना के महत्व पर भी प्रकाश डाला।

डॉ. के. एल. मीना, अध्यक्ष, केवीके–पेरन ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों एवं किसानों का स्वागत करते हुए पेरन जिले में आईवीआरआई की विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी। डॉ. एल. बबीता देवी ने पशु रोगों के प्रबंधन एवं रोकथाम के विषय में जानकारी प्रदान की, जबकि डॉ. जेमश ने कृषि से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की।

इस अवसर पर उपस्थित किसानों को स्प्रे मशीन, स्प्रेडर, कुदाल, तिरपाल, प्रूनिंग सॉ आदि विभिन्न कृषि उपयोगी सामग्रियों का वितरण किया गया, जिससे उनके कृषि कार्यों को अधिक सुगम एवं प्रभावी बनाने में सहायता मिलेगी।

कार्यक्रम में श्री वीर सिंह, मुख्य तकनीकी अधिकारी, आईवीआरआई सहित केवीके के अन्य वैज्ञानिक, विषय विशेषज्ञ एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

अंत में कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु सभी प्रतिभागियों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त किया गया।